ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है|

कक्षा -7

हिन्दी (LOWER)

पाठ -2

बगुला भगत

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

तालाब में केवल एक केकड़ा बचा था। बगुला उसे भी खाना चाहता था। केकड़ा चालाक था। वह बोला–"मैं तुम्हारी चोंच में दबकर नहीं चल सकता। कहो तो गरदन पर बैठकर चलूँ?"

बगुले ने सोचा–"तू किसी तरह चट्टान तक तो चल। फिर मैं खा ही जाऊँगा।" इस तरह उसने केकड़े की बात मान ली।

बगुला अपनी गरदन पर केकड़े को लेकर जब चट्टान के पास पहुँचा, तब केकड़ा मछलियों की हड्डियों का ढेर देखकर सारा मामला समझ गया। उसने बगुले की गरदन में अपने डंक गड़ाए और बोला–"दुष्ट तू मुझे सीधी तरह तालाब के किनारे ले चलता है या गरदन दबा दूँ।"

बगुला पीड़ा से कराह उठा। वह केकड़े को चुपचाप तालाब के किनारे ले गया। केकड़े ने कहा–"अब तुझे अपनी करनी का फल भी मिलना चाहिए।" उसने बगुले की गरदन दबाकर उसे खत्म कर दिया। केकड़ा तालाब के पानी में चला गया।

उसने जाते-जाते कहा–"धूर्त और दुष्ट व्यक्ति सदा सुखी नहीं रहते। एक-न-एक दिन उनकी यही दशा होती है।"

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

शब्दार्थ-

चालाक- होशियार
पीड़ा- दर्द
दशा - हालात
धूर्त- कपटी

अर्थ बोध-

तालाब में केकड़ा को छोड़ सब मछलियों को बगुला का लिया था। केकड़ा चालाक था। केकड़ा चट्टान पर पहुँच कर बगुले के चाल समझ जाता है। केकड़ा बगुले के गरदन पकड़ लेता है। बगुला का चालाकी सामने आ जाता है। बगुला केकड़ा को लेकर तालाब में छोड़ देता है। धूर्त और दुष्ट व्यक्ति कभी सुखी नहीं हो थे हैं। धूर्त व्यक्ति के संगत में धन और मान दोनो ही हानि होती है। सज्जन व्यक्ति अपनी सज्जनता नहीं छोड़ता है, वहीं धूर्त व्यक्ति अपना धूर्तपना नहीं छोड़ता।

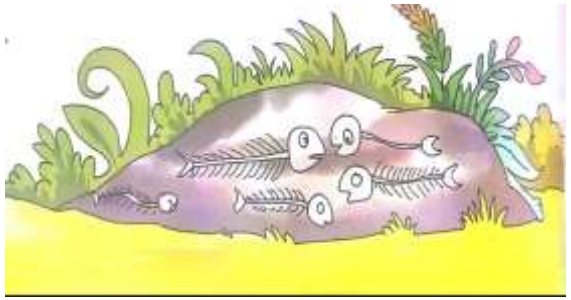

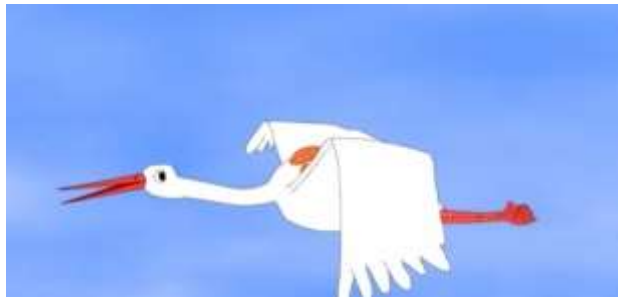

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

संबंधित प्रश्न-

१. केकड़ा बगुला को क्या कहता है?
२.केकड़ा के बात सुनकर बगुला मन ही मन क्या सोचता है?
३. केकड़ा अपने आप को कैसे बगुले से बचाता है?
४.इस कहानी से क्या सिख मिलता है?

गृहकार्य- पढ़ाया गया पाठ को पढ़ो।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP